

## बारस की ज्योत जगाओ जी

एक छोटी सो नियम बनाओ जी,  
नित बारस नै श्याम की घर में ज्योत जगाओ जी।

सुबह-सुबह थे नुहाय धोय कै सांवरिये नै ध्याओ,  
देशी गाय को घी घाल कै, श्याम की ज्योत जगाओ,  
थारै टाबर नै भी सिखाओ जी॥

खीर-चूरमो निज हाथां सै श्याम नै भोग लगाओ,  
जिम-जूठ ले जद सांवरियो मीठा भजन सुनाओ,  
ऐं की जय -जयकार लगाओ जी॥

नित नियम सै जो भी घर में श्याम की ज्योत जगावै,  
सिरदारा, वी घर में फिर बाबै को वास हो जावे,  
मन में सांचो भाव जगाओ जी॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36458/title/baras-ki-jyot-jagao-ji>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |